



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 466 ]  
No. 466 ]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 10, 2002/आश्विन 18, 1924  
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 10, 2002/ASVINA 18, 1924

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 2002

सा. का. नि. 699(अ).— केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 27 सितम्बर, 2002 में भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा०का०नि० 669(अ), तारीख 27 सितम्बर, 2002 के अधीन प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको, उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, सात दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 30 सितम्बर, 2002 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उक्त प्रारूप नियमों की बाबत जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 110 की उपधारा (1) के खंड (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटर यान (चौथा संशोधन) नियम, 2002 है ।  
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 138 में, उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) ऐसे मोटर यान में, जिसमें, यथास्थिति, नियम 125 के उपनियम (1) या उपनियम (1क) या नियम 125क के अधीन सीट बेल्ट की व्यवस्था की गई है, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि, यथास्थिति, चालक और सामने की सीट पर बैठा व्यक्ति या वे व्यक्ति जो पीछे की सीटों पर सामने की ओर मुंह करके बैठे हैं, जब यान गति में हो तब सीट बेल्ट पहने हुए होंगे ।”

[फ. सं. आरटी-11028/12/2002-एमवीएल]

आलोक रावत, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा0का0नि0 590(अ), तारीख 2 जून, 1989 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन सा0का0नि0 400(अ), तारीख 31 मई, 2002 द्वारा किया गया ।

## MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th October, 2002

G.S.R. 699 (E).— Whereas the draft of certain rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, were published as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 27<sup>th</sup> September, 2002 in the notification of Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways number G.S.R. 669 (E), dated the 27<sup>th</sup> September, 2002, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby within a period of seven days from the date on which copies of the Gazette of India, in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 30<sup>th</sup> September, 2002;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public in respect of the said draft rules within the said specified period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (j) of sub-section of (1) of section 110 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (Fourth Amendment) Rules, 2002.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989, in rule 138, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(3) In a motor vehicle, in which seat-belts have been provided under sub-rule (1) or sub-rule (1A) of rule 125 or rule 125A, as the case may be, it shall be ensured that the driver, and the person seated in the front seat or the persons occupying front facing rear seats, as the case may be, wear the seat belts while the vehicle is in motion."

[F. No. RT-11028/12/2002-MVL]

ALOK RAWAT, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India vide G.S.R. 590 (E) dated 2<sup>nd</sup> June, 1989 and last amended vide G.S.R. 400 (E) dated 31<sup>st</sup> May, 2002.

